भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4157
बुधवार, 18 मार्च, 2026 को उत्तर देने के लिए

भारत में उपग्रह प्रक्षेपण सुविधाओं का विकास

4157. श्री तंगेला उदय श्रीनिवासः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में अनुमोदित, निर्माणाधीन और क्रियाशील नई उपग्रह प्रक्षेपण सुविधाओं और लॉन्च पैड की संख्या, उनकी डिजाइन की गई पेलोड क्षमता और पूर्ण रूप से चालू होने की अपेक्षित समय-सीमा का वर्ष-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान ऐसी सुविधाओं की स्थापना या विस्तार के लिए स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इन सुविधाओं से नियोजित आगामी प्रक्षेपण मिशनों का प्रक्षेपण यानों के प्रकार और पेलोड श्रेणियों सहित ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या काकीनाडा के पास एक प्रक्षेपण सुविधा के लिए आंध्र प्रदेश सहित राज्यों से ऐसी सुविधाओं के विकास के लिए कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ङ) यदि हां, तो अनुमोदन, पेलोड क्षमता और वित्तपोषण पद्धति सहित इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(च) क्या प्रक्षेपण बुनियादी ढांचे के विकास में निजी भागीदारी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी गई है; और

(छ) यदि हां, तो अपनाए गए नियामक सुरक्षा उपायों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) अभी तक, सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी), श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश में दो प्रक्षेपण पैड, यथा प्रथम प्रक्षेपण पैड (एफएलपी) और द्वितीय प्रक्षेपण पैड (एसएलपी) प्रचालनात्मक हैं। एफएलपी से पीएसएलवी एवं एसएसएलवी का प्रक्षेपण होता है, जबकि एसएलपी पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलवीएम3 का प्रक्षेपण करता है। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में तीसरे प्रक्षेपण पैड (टीएलपी) की स्थापना को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 में

मंजूरी दे दी गई है, जिससे इसरो के आगामी पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों का प्रक्षेपण किया जाएगा। टीएलपी की स्थापना का लक्ष्य वर्ष 2029-30 तक रखा गया है।

पृथ्वी अवलोकन के लिए सर्वाधिक पसंदीदा सूर्य-तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा (एसएसपीओ) में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) को प्रक्षेपित करने के लिए, तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम में एक दूसरा प्रक्षेपण स्थल, यथा एसएसएलवी प्रक्षेपण परिसर (एसएलसी) स्थापित किया जा रहा है। इस दूसरे प्रक्षेपण स्थल के वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान संस्थापित किए जाने की उम्मीद है।

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान लॉन्च पैड और संबंधित सुविधाओं की स्थापना या विस्तार के लिए स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई धनराशि का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ग) प्रथम प्रक्षेपण पैड (एफएलपी) से वर्ष 2026-27 के दौरान पीएसएलवी और एसएसएलवी दोनों के तीन-तीन मिशन प्रक्षेपित किए जाने की योजना है, जिनमें अधिकांशतः पृथ्वी अवलोकन उपग्रह शामिल हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2026-27 के दौरान जीएसएलवी और एलवीएम3 दोनों के दो-दो मिशन प्रक्षेपित किए जाने की योजना है, जिनमें अधिकतर संचार एवं नौवहन उपग्रह शामिल हैं।

टीएलपी से एनजीएलवी की पहली विकासात्मक उड़ान वर्ष 2031-32 के दौरान नियोजित है। तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम स्थित द्वितीय प्रक्षेपण स्थल से एसएसएलवी के प्रक्षेपण वर्ष 2027-28 के दौरान नियोजित है।

(घ) और (ङ)

अभी तक, अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के पास देश में कहीं और कोई अन्य प्रक्षेपण स्थल स्थापित करने का प्रस्ताव नहीं है।

(च) जी हां। भारत सरकार द्वारा जून, 2020 में घोषित अंतरिक्ष क्षेत्र सुधारों के तहत प्रक्षेपण अवसंरचना के विकास सहित आद्योपांत अंतरिक्ष गतिविधियों की अनुमति दी गई है। इसके फलस्वरूप अंतरिक्ष क्षेत्र में गैर-सरकारी कंपनियों (एनजीई) की गतिविधियों को बढ़ावा देने, प्राधिकृत करने एवं उनकी निगरानी करने के लिए अंतरिक्ष विभाग में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) की स्थापना की गई थी। वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा दिनांक 16.04.2024 को जारी राजपत्र की अधिसूचना के अनुसार प्रक्षेपण अवसंरचना के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी गई है।

(छ) इन-स्पेस द्वारा अंतरिक्ष गतिविधियों के प्राधिकरण से संबंधित भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 के क्रियान्वयन हेतु मानदंड, दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं (एनजीपी) जारी की गई हैं, जो जवाबदेही, राष्ट्रीय सुरक्षा, संस्थिर और सुरक्षित अंतरिक्ष प्रचालन सहित प्राधिकरण के लिए दिशानिर्देश और मानदंड तय करने के साथ ही ऐसी गैर-सरकारी कंपनियों के लिए जो इन-स्पेस से प्राधिकरण प्राप्त करना चाहती हैं, पारदर्शिता और पूर्वानुमान सुनिश्चित करती है। अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए स्वचालित और सरकारी, दोनों मार्गों में अनुपालन किए जाने वाले नियामक सुरक्षा उपायों सहित दिशानिर्देश और मानक संचालन प्रक्रिया पहले ही विभाग द्वारा जारी की जा चुकी हैं।

****

अनुलग्नक-1

लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 4157 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक जिसका उत्तर 18.03.2026 को दिया जाना है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2022-23

(रु. करोड़ में)

क्रम सं.	परियोजना का नाम	2020-21			2021-22			2022-23		
		बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक
1	द्वितीय यान संयोजन भवन का निर्माण	1000.00	1000.00	999.94	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	ठोस नोदक अंतरिक्ष बूस्टर संयत्र	8000.00	5000.00	5499.88	8000.00	6500.00	6299.99	3500.00	3900.00	3899.98
3	पीएसएलवी एकीकरण सुविधा	11000.00	6000.00	5499.70	8000.00	4500.00	3679.14	4000.00	4000.00	3246.07
4	एसएसएलवी के लिए प्रक्षेपण पैड	10000.00	584.00	78.74	11700.00	15482.00	15549.63	10000.00	1000.00	1172.99
5	तृतीय प्रक्षेपण पैड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6	एलवीएम3 की प्रक्षेपण क्षमता को बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे का संवर्धन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26

(रु. करोड़ में)

क्रम सं.	परियोजना का नाम	2023-24			2024-25			2025-26		
		बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (फरवरी 2026)
1	द्वितीय यान संयोजन भवन का निर्माण	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	ठोस नोदक अंतरिक्ष बूस्टर संयत्र	2450.00	2450.00	2106.13	550.00	700.00	499.39	100.00	14.50	13.84
3	पीएसएलवी एकीकरण सुविधा	4000.00	1500.00	711.41	2280.00	1700.00	930.91	100.00	7.00	5.31
4	एसएसएलवी के लिए प्रक्षेपण पैड	10000.00	1000.00	36.78	10883.00	16270.00	13896.56	30000.00	230.00	148.65
5	तृतीय प्रक्षेपण पैड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	100.00	3.00	0.80
6	एलवीएम3 की प्रक्षेपण क्षमता को बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे का संवर्धन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2375.00	29.00	2.33